भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1934

06 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्ज्ञान योजना का कार्यान्वयन

1934. श्री तेजस्वी सूर्या:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आयुर्ज्ञान योजना के वित्त वर्ष 2021-22 में आरंभ होने से लेकर अब तक के कार्यों में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की शुरुआत से अब तक कितने पेशेवर लाभान्वित हुए हैं; और

(ग) इस योजना के माध्यम से आयुष शिक्षण संस्थानों में नामांकन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय वर्ष 2021-22 से आयुर्ज्ञान योजना नामक एक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना कार्यान्वित कर रहा है, जिसका उद्देश्य बाह्य अनुसंधान गतिविधियों द्वारा आयुष में अनुसंधान एवं नवाचार तथा शिक्षा के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण आदि प्रदान करके सहायता प्रदान करना है।

इस योजना के तीन घटक हैं, नामत: (i) आयुष में क्षमता वर्धन एवं सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) (ii) आयुष में अनुसंधान एवं नवाचार और (iii) आयुर्वेद जीव विज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान। आयुर्वेद जीव विज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान को योजना के तहत वर्ष 2023-24 से तीसरे घटक के रूप में शामिल किया गया है। योजना के विस्तृत मार्गदर्शी ब्यौरे आयुष मंत्रालय के पोर्टल (https://ngo.ayush.gov.in/ayurgyan) पर उपलब्ध हैं।

आयुर्ज्ञान योजना की स्थापना से उल्लेखनीय उपलब्धियां/ प्रगति निम्न प्रकार हैं:

i) <u>आयुष में क्षमता निर्माण एवं सीएमई घटक के तहत</u>:

- आयुष कार्मिकों के क्रमश: 28, 73, 49 और 36 प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 2.70 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 6.25 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 4.50 करोड़ रुपये और 2.99 करोड़ रुपये (दिनांक 02.12.2024 तक) की निधियाँ जारी/वितरित की गई थीं।

ii) <u>आयुष घटक में अनुसंधान एवं नवाचार:</u>

- वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1.76 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 2.82 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 4.00 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 (दिनांक 02.12.2024 तक) के दौरान 2.07 करोड़ रुपये की निधियाँ क्रमशः 21, 25 और 27 और 16 अनुसंधान परियोजनाओं के लिए जारी की गई थीं।

(iii) <u>आयुर्वेद जीव विज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान:</u>

- वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 6.16 करोड़ रुपये और (दिनांक 02.12.2024 तक) 19.96 करोड़ रुपये की निधियाँ क्रमशः 02 और 04 अनुसंधान परियोजनाओं के लिए जारी की गई थीं।

(ख): आयुर्ज्ञान योजना के आयुष घटक में क्षमता निर्माण एवं सीएमई के तहत, योजना की शुरुआत से 4717 आयुष कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया है।

(ग): आयुष मंत्रालय ने योजना के तहत आयुष शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन बढ़ाने के लिए प्रस्तावों को ऑनलाइन जमा करने के लिए एक पोर्टल नामत: एनजीओ आयुष पोर्टल (www.ngo.ayush.gov.in) जो पूरे वर्ष खुला रहता है, विकसित किया है।

*****